राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

जल–संकट से उबरने के प्रयासों को तेज किया जाना बेहद जरूरी है–राज्यपाल

पटना, 10 जनवरी 2020

''जल संकट को लेकर पूरा विश्व समुदाय आज चिन्तित है। इस समस्या के निदान हेतु अब अगर हम नहीं जगे तो हमारा जीवन ही नहीं बचेगा। आज हमें सभी स्तरों पर पूरी जिम्मेदारी एवं ईमानदारी के साथ समन्वित प्रयास करने की आवश्यकता है, ताकि हमारा वर्तमान भी सुरक्षित रह सके और आनेवाली पीढियों को भी हम सही–सलामत रख सकें।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने आज इंडियन वाटर वर्क्स एसोसियेशन के स्थानीय एन॰आई॰टी॰ परिसर में आयोजित '52वें वार्षिक सम्मेलन–2020' में सम्मेलन के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि आज वैज्ञानिक तरीके से 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग' के जरिये जल –संरक्षण एवं समुचित जल–प्रबंधन की नितान्त आवश्यकता है। वर्षा जल के समुचित प्रबंधन नहीं होने के कारण वर्षा का पानी बहता हुआ नदी–नालों से होते हुए समुद्र के खारे पानी में मिल जाता है और वह हमारे लिए उपयोगी नहीं रह जाता। जल–संकट से बचने के लिए वर्षा–जल का संचयन ही एकमात्र विकल्प है। उन्होंने कहा कि जल–संरक्षण के लिए आज यह जरूरी हो गया है कि हम सब मिलकर अपने परम्परागत जल स्रोतों –कुआँ, तालाब, आहर, पाईन आदि को भी पुनर्जीवित करने का प्रयास करें।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि जल–संकट की समस्या से उबरने के लिए केन्द्र सरकार एवं बिहार सरकार द्वारा आवश्यक कार्रवाई की गयी है। भारत सरकार की ओर से इस वर्ष 'जल जीवन मिशन' नाम से एक महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत की गयी है। इसके तहत हर घर में नल के माध्यम से पेयजल की व्यवस्था करने तथा जल स्रोत को सतत बनाने पर बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य में भी वर्ष 2017 से 'हर घर नल जल योजना' की शुरूआत की गयी है एवं हर घर को शुद्ध पेयजल देने हेतु राज्य सरकार कृत संकल्पित है।

राज्यपाल ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में राज्य के कुछ इलाकों में औसत वर्षापात में कमी हुई है, जिसके फलस्वरूप भू–जल में गिरावट आने लगी है। उन्होंने कहा कि आज भू–जल स्तर में गिरावट एक गंभीर चिन्ता का विषय बन गया है। इस संदर्भ में राज्य सरकार द्वारा ''जल–जीवन–हरियाली'' नाम से एक महत्वाकांक्षी योजना का कार्यान्वयन हर पंचायत में प्रारंभ किया गया है।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को बधाई देते हुए कहा कि इन दोनों नेताओं ने जल–समस्या को काफी गंभीरता से लेते हुए न केवल महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन प्रारम्भ कर दिया है, बल्कि इसके लिए जन–चेतना विकसित करने का भी अभियान छेड़ दिया है। राज्यपाल ने कहा कि बिहार के दूरदर्शी मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी बिहार में घूम–घूम कर 'जल–जीवन–हरियाली' नामक 'विशेष जन–जागरण' अभियान चला रहे हैं। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को उनकी 'जल जीवन हरियाली' यात्रा के लिए बधाई भी दी।

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि ''जल–जीवन–हरियाली'' कार्यक्रम को लागू करने से विभिन्न परम्परागत जल–संसाधनों का बेहतर प्रबंधन होगा तथा भू–गर्भीय जल की स्थिति में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से पर्यावरण–संतुलन को बनाये रखने में भी सफलता मिलेगी एवं आने वाली पीढ़ियों को जल–संकट से निजात मिल सकेगा।

राज्यपाल ने भरोसा व्यक्त किया कि इंडियन वाटर वर्क्स एसोसियेशन के बैनर तले आयोजित इस 'जल सम्मेलन' में सभी जल–वैज्ञानिक, पर्यावरणविद् एवं अभियंतागण पेयजल के संकट पर सार्थक चिन्तन–मनन करेंगे एवं इसका वैज्ञानिक समाधान निकालेंगे, ताकि पूरे देश में जल–समस्या से मानव–जीवन कुप्रभावित नहीं हो सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य के लोक स्वास्थ्य एवं अभियंत्रण मंत्री श्री विनोद नारायण झा ने कहा कि भू–गर्भीय जल का दोहन कर मनुष्य ने जल–समस्या को गंभीर बना लिया है। उन्होंने कहा कि 'जल–जीवन–हरियाली' कार्यक्रम से जल–संकट तथा पर्यावरण–असंतुलन दोनों समस्याओं से निजात पाने में आसानी होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं पूर्व मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि बिहार के प्रमुख पर्यटकीय स्थलों –नालंदा, राजगीर, बोधगया आदि में भी पेयजल संकट गंभीर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा जल को गया में ले जाने से फल्गू नदी को भी पुनर्जीवन प्राप्त होगा तथा जल–समस्या का सामना करने में मदद मिलेगी। उन्होंने जल–समस्या को लेकर राज्य सरकार की चिन्ताओं एवं तदनुरूप आवश्यक कार्रवाइयों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक डॉ॰ विन्देश्वर पाठक ने भी पेयजल –निर्माण, स्वच्छता–विकास एवं शौचालय–निर्माण विषयक अपनी संस्था के प्रयासों की जानकारी दी।

समारोह के उद्घाटन–सत्र में इंडियन वाटर वर्क्स एसोसियेशन के नये अध्यक्ष डॉ॰ दिनेश्वर प्रसाद सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। राज्यपाल ने समारोह में 'स्मारिका' का भी विमोचन किया।

.....